

कैसे जलाये रखें अपने अन्दर की चिंगारी को

Chetan Bhagat

Good Morning everyone, मुझे यहाँ बोलने का मौका देने के लिए आप सभी का धन्यवाद. ये दिन आपके बारे में है. आप, जो कि अपने घर के आराम और कुछ cases में दिक्कतों को छोड़ के इस college में आए हैं ताकि ज़िन्दगी में आप कुछ बन सकें. मैं sure हूँ कि आप excited हैं. ज़िन्दगी में ऐसे कुछ ही दिन होते हैं जब इंसान सच-मुच बहुत खुश होता है. College का पहला दिन उन्ही में से एक है.

जब आज आप तैयार हो रहे थे, आपके पेट में हलचल सी हुई होगी. Auditorium कैसा होगा, teachers कैसे होंगे, मेरे नए classmates कौन होंगे — इतना कुछ है curious होने के लिए... मैं इसे excitement कहता हूँ, आपके अन्दर कि चिंगारी (spark) जो आपको एकदम ज़िंदादिल feel कराती है. आज मैं आपसे इस चिंगारी को जलाये रखने के बारे में बात करने आया हूँ. या दुसरे शब्दों में-

हम अगर हमेशा नहीं तो ज्यादा से ज्यादा समय कैसे खुश रह सकते हैं?

इस चिंगारी कि शुरुआत कहाँ से होती है?

मुझे लगता है हम इसके साथ पैदा होते हैं. मेरे 3 साल के जुड़वाँ बच्चों में million sparks हैं. वो Spider-man का एक छोटा सा खिलौना देख के बिस्तर से कूद पड़ते हैं. Park में झूला झूल के वो thrilled हो जाते हैं. पापा से एक कहानी सुनके उनमे उत्तेजना भर जाती है. अपना Birthday आने के महीनो पहले से वो उलटी गिनती करना शुरू कर देते हैं कि उस दिन cake काटने को मिलेगा.

मैं आप जैसे students को देखता हूँ और मुझे आपके अन्दर भी कुछ spark नज़र आता है. पर जब मैं और बड़े लोगों को देखता हूँ तो वो मुश्किल से ही नज़र आता है. इसका मतलब, जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, spark कम होते जाते हैं. ऐसे लोग जिनमे ये चिंगारी बिल्कुल ही खतम हो जाती है वो मायूस, लक्ष्यरहित और कड़वे हो जाते हैं. Jab We met के पहले half की करीना और दुसरे half की Kareena याद है ना? चिंगारी बुझ जाने पे यही होता है.

तो भला इस Spark को बचाएँ कैसे?

Preview from Notesale.co.uk
Page 1 of 6